Q.2- विद्यालयी शिक्षा के व्यवस्था के गुणवत्ता पूर्ण प्रबंधन हेतु शैक्षिक संस्थाओं की भूमिका का वर्णन कीजिए?

Discuss the role of educational institutions for quality management of School education.

एस. सी. ई० आर. टी० बुनियादी तौर पर राज्य सरकार का संस्थान है। लेकिन शिक्षक शिक्षा की पुनर्रचना और पुनर्गठन की योजना के जरिये भारत सरकार एस. सी. ई. आर. टी. को मजबूत करने के लिए सहयोग मुहैया कराती है। S.C.E.R.T. की स्थापना इसलिए की गई कि वह राज्य में अकादमिक नेतृत्व करें और विभिन्न प्रकार के शोध नवाचार, प्रेरणा, अभिप्रेरणा इत्यादि का केन्द्र बने। ये संस्थाएं गुणवत्ता की प्रतीक हो और समाज के बदलाव के लिए दार्शनिक व समाजशास्त्री बोध मुहैया कराये।

S.C.E.R.T. के लिए यह जरूरी है कि वह अपने विभिन्न संकायों की नए सिरे से तैयारी कराए तथा क्रमिक कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के माध्यम से व्यवस्थागत सुधार और प्रक्रियाओं सम्बंधी अच्छे प्रचलनों को सामने लाना चाहिए।

इसक्रम में शैक्षिक योजना, नीति निर्माण की प्रक्रिया भी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा हेतु सहायक है। इस प्रकार आयोगों तथा संस्थाओं के अनुमोदनों एवं सुझावों में उन नीतियों को समझा गया, जिन्होंने शैक्षिक योजनाओं की स्थिति की आलोचना की।

Scanned by CamScanner

भौतिक परिस्थितियों का प्रबन्धन

(Management of Physical Circumstances) :-

मूल रूप से शिक्षा चेतन तथा अचेतन जुड़ाव और संवाद के माध्यम से सीखने के अवसर प्रदान करने की प्रक्रिया है।

स्कूलों को इस तरह के अवसर सुनिश्चित कराने में सशक्त होना चाहिए तथा बच्चों को अवसर देना चाहिए कि वह स्वयं खोज सकें। स्कूल का यह दायित्व होना चाहिए कि जरूरी सुविधाएं, योग्य एवं संवेदनशील शिक्षक तथा सीखने के लिए उपयुक्त वातावरण दिये जाये।

छोटे बच्चों को ज्यादा गहरे जुड़ाव की जरूरत है। अतः शिक्षक विद्यार्थी अनुपात शुरूआती कक्षाओं के लिए श्रेष्ठ होना चाहिए। पूर्व प्राथमिक में कक्षा 2 के लिए 1:20, कक्षा 3,4 के लिए 1:30 तथा 1:40 माध्यमिक विद्यालय के लिए। बच्चों को समूह कार्य के लिए भी पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराना आवश्यक है। विद्यालय भवन और कक्षा-कक्ष का निर्माण ऐसा हो कि बच्चों को किसी प्रकार से असुविधा न हो। कक्षा का आकार बड़ा होना चाहिए तथा कक्षा का वातावरण मित्रवत होना चाहिए। बालिकाओं के सुरक्षा के विशेष प्रबंध होना चाहिए। कक्षा-कक्ष में फर्नीचर एवं छात्रों को बैठने की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि छात्र शिक्षक से अच्छी तरह वार्तालाप कर सकें उन्हें किसी परेशानी का सामना करना पड़े। शिक्षक का व्यवहार भी मित्रवत होना चाहिए।

Scanned by CamScanner

17 JANUARY THURSDAY

Dec 2016

गुणवत्तापूर्ण विद्यालयी प्रबन्ध व्यवस्था हेतु कुछ सुझाव :—

(Some Suggestions Regarding quality School Management and Organization) :-

1. विद्यालयों द्वारा सक्रियतापूर्वक इस दिशा में कार्य किया जाए ताकि विद्यालयों से बच्चों की पूरी भागीदारी हो सकें। विद्यालयों को उन बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए और सुविधाएं देनी चाहिए जो विद्यालय छोड़ गये या बहुत धकेल दिये गये।

2. समावेशी शिक्षा हेतु व्यवस्थागत सुधार में कार्य करने की आवश्यकता है।

3. ग्राम पंचायतों को उत्तम भागीदारी द्वारा समुदायों को मजबूत बनाये जाने की आवश्यकता है।

4. प्रचलित शिक्षा व्यवस्था के विकेन्द्रीकरण के काम-काज की जांच करने के लिए नियमित रूप से शोध अध्ययन होने चाहिए व जो व्यवस्थात्मक व संगठनात्मक परिवर्तन हुए हैं उनकी निरन्तर समीक्षा होनी चाहिए।

5. पाठ्यचर्या निर्माण और पुस्तकों की रचना के समय प्राथमिक उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों के साथ आपसी तालमेल होना चाहिए।

2019

Scanned by CamScanner

6. ऐसे अवसर पैदा किये जाए जिसमें स्थानीय स्तर पर जन-प्रतिनिधि संस्थाएं प्रभावोत्पादकता को बढ़ाने के लिए शिक्षकों के साथ घनिष्ठता पूर्वक काम कर सकें।

7. निर्णय के विभिन्न स्तरो व विभिन्न ढाँचो के बीच सम्प्रेषण व पारदर्शिता का विकास होना चाहिए।

8. प्रत्येक स्तर पर मौजूदा शिक्षा से जुड़ी संस्थाओं में लोकतांत्रीयकरण की प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए व्यवस्थात्मक बदलाव अवश्य किये जाएं और इन प्रक्रियाओं के स्थिति को विकेन्द्रीकरण के जरिए व बहुस्तरीय राजनीतिक विभागीय व्यवस्था के जरिए बदला जाए।

9. आंकलन व मूल्यांकन में लचीलापन होना चाहिए।

———— o ————

Scanned by CamScanner